98

2000Rs.

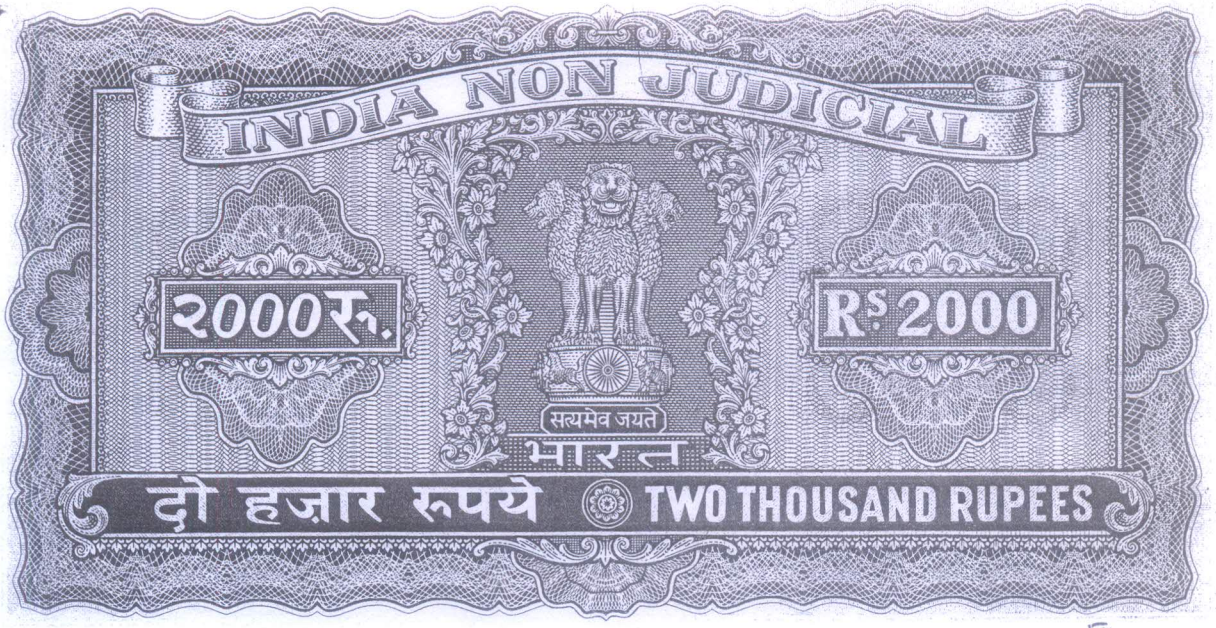

INDIA NON JUDICIAL

२000रु.

Rs 2000

सत्यमेव जयते

भारत

दो हज़ार रुपये TWO THOUSAND RUPEES

१, लेख्यकारी :- श्री जकरियस उराँव वल्द स्वर्गीय खेपई उराँव जाति उराँव पेशा खेतीबारी साकिन गोतरा बेरीटोली थाना सिमडेगा जिला गुमला। स० प० स० बिक्रेता।

२ लेख्यधारिणी :- श्रीमती कान्ता खलखो जौजे श्री जीवन खलखो जाति उराँव पेशा खेतीबारी साकिन गोतरा बेरीटोली थाना सिमडेगा जिला गुमला। भारतीय। स० प० स० क्रेता।

३ लेख्य प्रकार :- बिक्रय पत्र केवाला बेलाकलामी पुत्र-पुत्रादिक के वास्ते सदा दिन के, लिये होता है।

४ मूल्य :- मो0बलीक छतीस हजार अंके ३६000/- रुपये जिसका आधा अठारह हजार रुपये अंके १८,000/- रुपये होते हैं।

५ सम्पति :- अराजियात तीस डीसमील अंके 0·30 एकड़ हकियतकायमी रैयती खतियानी जमीन, नीज अपने हिस्से को खास मय-

श्री नि० जकरियस उराँव कुल ३0 डीसमील जमीन कीमत नगद ३६000/- हजार रुपये (छतीस हजार) रुपये चुकती और वसुली पाया वा: दस्तावेज़ सही दस्तखती मोकिर मेरे सामने लेखा दिया।
ता० ६-३-८८

अध्रारियस उराँव पिता स्व० खेपई उराँव सा० गोतरा बेरी टोली थाना सिमडेगा जिला गुमला ६-३-८८

[000366/98]

233
20/2/98

[illegible] दिनांक 20/2/98 [illegible]
[illegible] 4,500/- [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] (C.V.) [illegible]
[illegible]

20/2/98

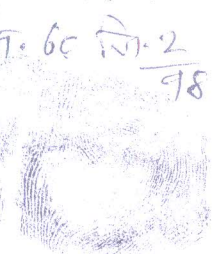

2000X2	-	4000:00
500X1	-	500:00
कुल	-	4,500:00

20/2/98

अं० नि० जाकरियस उराँव का: सही
सस्तो मिहीं बड़ा को फिर मेरे सामने
देपा दिया। ता० 10-3-98

है.न. 59 ता. 2/98

अं० नि० जाकरियस उराँव का: सस्तो मिहीं बड़ा
सही सस्तो मिहीं बड़ा को फिर मेरे सामने देपा दिया।
10.3.98

है.न. 60 ता. 2/98

जाकरियस उराँव
10.3.98

2000 Rs.

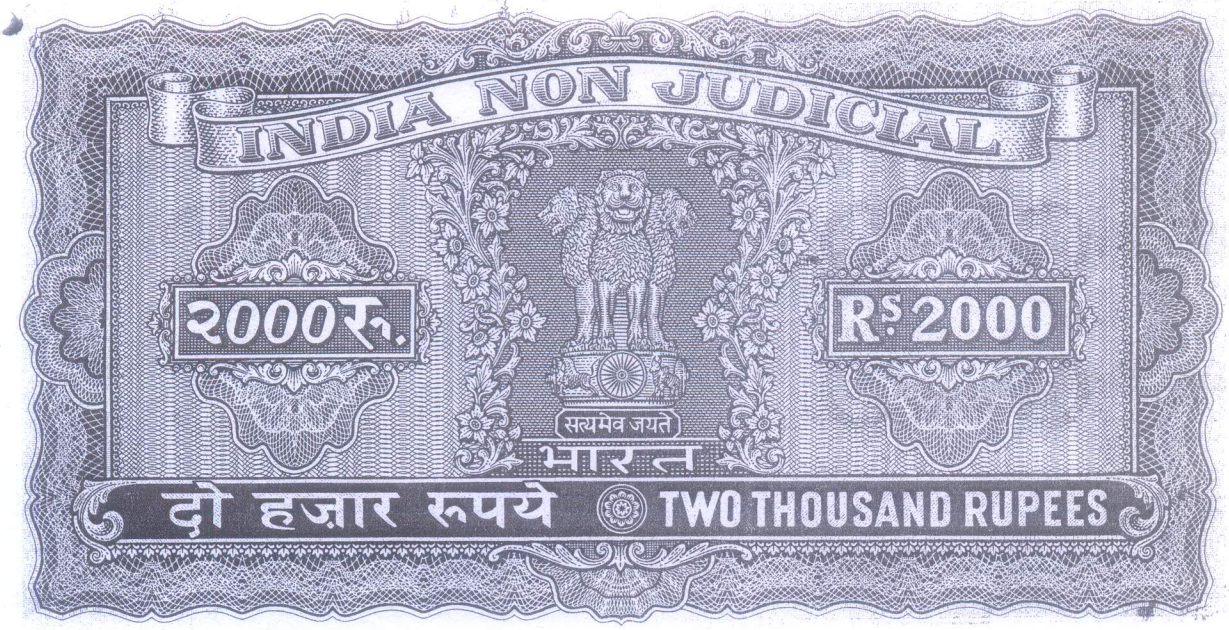

INDIA NON JUDICIAL

२000 रु.

Rs 2000

सत्यमेव जयते

भारत

दो हज़ार रुपये TWO THOUSAND RUPEES

मयादरवली, जो वाके मौजा गोतरा बेरीटोली थाना सिमडेगा थाना नं० ८० (अस्सी) सब-डिवीजन वो सबरजिष्ट्री आफिस सिमडेगा सदर रजिष्ट्री आफिस तथा जिला गुमला अन्दर खेवट नं० २ (दो) खाता नं० १५३ (एक सौ तिरपन) प्लाट नं० १०६१ (एक हजार-एकहत्तर) कुल रकबा ०.७६ एकड़ में से ०.३० एकड़ (तीस डीसमील) जानिब पूरब-दखिन हिस्सा नाम जमीन डुकू दोन टांड़ नं० II असिंचित एवं एक फसला सालाने मालगुजारी १५ पैसा (पन्द्रह पैसा) अलावे शेष।

चौहदी:- उत्तर:- इसी प्लाट का बाकी हिस्सा जकरियस उराँव का।

दखिन:- इसी प्लाट का बाकी हिस्सा जकरियस उराँव का।

पूरब:- ब्रिसियुस खड़िया का टांड़।

पच्छिम:- जुलियुस एवं जकरियस उराँव का टांड़।

१, चूंकि, बहुत वर्षों पहले मैं अपनी लड़की की शादी के लिये अपने हिस्से की जमीन को क्रेता के पति के पास जबानी बेच दिया था। जिसे मैं बेइमानी करना नहीं चाहता हूँ और अब परमीशन कर रजिष्ट्री कर देना चाहता हूँ। अतः मैं क्रेता से रजिष्ट्री करा लेने को रुपये देने कहा और उसने स्वीकार किया।

२, इसलिये मैं अपनी इच्छा से मन वो शरीर की स्वास्थ्यता में रहकर बिना किसी के बहकाये उपर खाना संख्या ५ में वर्णित जमीन को उक्त लेख्यधारिणी श्रीमती कान्ता खलखो के हाथ से मोवलीक ३६,०००/- रुपये कीमत नगद चुकती

मे. सही लाजरस उराँव
पिता स्वर्गीय मिठुवा उराँव
गाँव बेरी टोली गोतरा
थाना सिमडेगा जिला गुमला
ता० ६.३.९८

अं० नि० जकरियस उराँव का: सही
रूस्ती मिट्टी बड़ा मोकिर मेरे सामने
ठेपा दिया। ता० ६-३-९८

2000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२०००रु.

Rs 2000

सत्यमेव जयते

भारत

दो हज़ार रुपये TWO THOUSAND RUPEES

मयदखली, जो वाके मौजा गोतरा बेरीटोली थाना सिमडेगा थाना नं० ८० (अस्सी) सब-डिवीजन वो सबरजिष्ट्री आफिस सिमडेगा सदर रजिष्ट्री आफिस तथा जिला गुमला अन्दर खेवट नं० २ (दो) खाता नं० १५३ (एक सौ तिरपन) प्लाट नं० १०६१ (एक हजार-एकहत्तर) कुल रकबा ०.७६ एकड़ में से ०.३० एकड़ (तीस डीसमील) जानिब पूरब-दखिन हिस्सा नाम जमीन डुकू दोन टांड़ नं० II असिंचित एवं एक फसला सालाने मालगुजारी १५ पैसा (पन्द्रह पैसा) अलावे शेष।

चौहदी:- उत्तर:- इसी प्लाट का बाकी हिस्सा जकरियस उराँव का।
दखिन:- इसी प्लाट का बाकी हिस्सा जकरियस उराँव का।
पूरब:- ब्रिसियुस खड़िया का टांड़।
पच्छिम:- जुलियुस एवं जकरियस उराँव का टांड़।

१, चूंकि, बहुत वर्षों पहले मैं अपनी लड़की की शादी के लिये अपने हिस्से की जमीन को क्रेता के पति के पास जबानी बेच दिया था। जिसे मैं बेइमानी करना नहीं चाहता हूँ और अब परमीशन कर रजिष्ट्री कर देना चाहता हूँ। अत: मैं क्रेता से रजिष्ट्री करा लेने को रुपैये देने कहा और उसने स्वीकार किया।

२, इसलिये मैं अपनी इच्छा से मन वो शरीर की स्वास्थ्यता में रहकर बिना किसी के बहकावे उपर खाना संख्या ५ में वर्णित जमीन को उक्त लेख्यधारिणी श्रीमती कान्ता एक्का के हाथ से मोबलीक ३६,०००/- रुपये कीमत नगद चुकती

सं० नि० जकरियस उराँव का सही स्वी० सिर्हो बड़ा ओकिर मेरे सामने ठेपा दिया। ता० ६-३-९८

मैं, सही दाउदरास उराँव
पिता स्व० मिट्रया उराँव
गाँव बेरी टोली गोतरा
थाना सिमडेगा जिला गुमला
ता. ६.३.९८

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.   Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये   FIVE HUNDRED RUPEES

और वसुली (पाकर) बेचा और उक्त जमीन का सब अधिकार वो हक-हकूक उक्त लेख्यधारिणी को हस्तान्तरित कर दिया। अब से उक्त बिक्रीत जमीन पर मेरा कोई अधिकार न रहा और न मेरे किसी भी उत्तराधिकारी या हस्तानापन्न का।

अंगूठा नि० जकरियस उराँव वा: सही रस्तोमिहीं बड़ा मोकिर मेरे सामने टेपा दिया। ६-३-८८

चूंकि क्रय-विक्रय करने वाले दोनों सहग्रामीण एवं एक ही थाना के रहने वाले सुरक्षित आदिवासी रैयत हैं इसलिये - श्रीमान् राधा कृष्ण प्रसाद भूमी सुधार उपसमाहर्ता सिमडेगा के न्यायालय में बिक्री की अनुमती के लिये आवेदन दिया जिसका वाद संख्या सी० एन० टी० १०४/८६-८८ है और जिसकी स्वीकृति दिनांक ३-२-८८ को हुई।

अं० नि० जकरियस उराँव वा: सही रस्तोमिहीं बड़ा मोकिर मेरे सामने टेपा दिया। ता० ६-३-८८

३ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि उक्त विक्रीत जमीन पर मेरा निर्विवाद हक वो दखल कब्जा है, जो मेरे नीज हिस्से की है एवं मेरे अन्य भैयादों का कोई हक सरोकार नहीं है और उसपर किसी प्रकार का भार वो झंझट नहीं है, चाहिये कि लेख्यधारिणी उक्त विक्रीत जमीन पर चास आबाद करे वो जैसा चाहे अपने स्तेमाल में लावे वो पुत्र-पुत्रादिक आल औलाद तक परम सुख भोग तसरुफ किया करे वो जमीन्दार बिहार सरकार बजरिये अंचल पदाधिकारी सिमडेगा के सिरिस्ते अपने नाम दाखिल-खारिज करावे वो मालगुजारी देकर खास रसीद अपने नाम से लिया करे।

अं० नि० नागापित उराँव
पिता स्व० धुड़ा उराँव
सा० गोतरा बेरी टोली
थाना - सिमडेगा जिला गुमला
बा: सही रस्तोमिहीं बड़ा गवाह
मेरे सामने टेपा दिया
६-३-८८

४ इसलिये विक्रय पत्र के वाला बैला कलामी पुत्र-पुत्रादिक तक के लिये लिख दिया कि प्रमाण रहे और वख्त पर काम आवे।

मैं घोषणा करता हूँ कि उक्त बिक्रीत जमीन को अन्य बचत जमीन सीलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

मोकिर के कहने पर बिक्रय पत्र केवाला बैला कलामी लिखा और पढ़ कर कुल मजमून को पढ़कर सुना के समझा दिया वो स्वयं पढ़ वो पढ़वा कर सुन वो समझ लिया और बोला ठीक है और इस दस्तावेज पर अपना अंगुठे का निशान बना दिया।

वाजे रहे कि तीसरा स्टाम्प के पहला लाईन मे छोड़ा हुआ चिन्ह देकर उपर "जाकर" लिखा सही है और मोकिर का ठेपा लिया गया है।

प्रमाणित किया जाता है कि इस ४ पेज के दस्तावेज में कुल ६११ शब्द अंकित है और उसमें कोई खण्डन नहीं है तथा नक्शा रहित है।

लिपिकार: स्स्तोमिही बड़ा तांईद सिमडेगा
लिपिक लैसेन्स नं० २४/९६.
दिनांक ६-३-१९९८ ई०

अं० नि० जकरियस उराँव
वा: सही स्स्तोमिही बड़ा मोकिर
मेरे सामने ठेपा दिया।
ता० ६.३.९८

अं० नि० जकरियस उराँव का सही स्स्तोमिही बड़ा मोकिर मेरे सामने ठेपा दिया ता० ६.३.९८

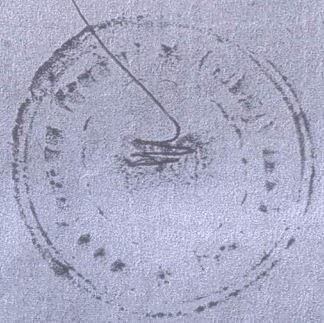

पुस्त सं0 I
जिल्द सं0 70
पृष्ठ 515 से 518
वर्ष 1998
दस्तावेज सं0 98
वर्ष 1998
तारीख 22/5/10

निबंधन पदाधिकारी
22/5/10

R.O.
7.6.10